विश्व का पहला एशियन किंग वल्चर संरक्षण केंद्र

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश ने **महाराजगंज ज़िले** में एशियन किंग वल्चर (एशियाई गिद्ध) के लिये **विश्व का पहला संरक्षण और प्रजनन केंद्र** स्थापित किया है।

मुख्य बिंदु:

- इस सुविधा प्रबंधन का उद्देश्य एशियन किंग वल्चर की जीवसंख्या में सुधार करना है, जिन्हें वर्ष 2007 से अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट में **गंभीर रूप से संकटग्रस्त** के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- केंद्र का नाम जटायु संरक्षण और प्रजनन केंद्र है, जहाँ **गिद्धों की 24x7 निगरानी** की जा रही है।
- एशियन किंग वल्चर (जिन्हें लाल सिर वाला गिद्ध भी कहा जाता है) अपने आवासों के नुकसान और घरेलू पशु-पक्षियों में डाइक्लोफेनाक, एक नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग (NSAID: आमतौर पर दर्द से राहत, सूजन को कम करने में कारगर दवा), जो **गिद्धों के लिये जहरीला** हो जाता है, **के अत्यधिक प्रयोग के कारण गंभीर रूप से संकटग्रस्त** हैं।
- वर्तमान में केंद्र में **नर तथा मादा गिद्धों का एक जोड़ा है।** एवियरी/पक्षीशाला में मौजूद तीन और मादाओं को धीरे-धीरे उनके नर सहचर मिल जाएँगे। यह पक्षीशाला **20 फीट गुणा 30 फीट** की है।
- **केंद्र का उद्देश्य बढ़ते गिद्धों के अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना और उन्हें एक जोड़ा प्रदान करना** है। एक बार मादा द्वारा अंडा देने के बाद, जोड़े को उनके प्राकृतिक वातावरण में स्वतंत्र छोड़ दिया जाएगा।

एशियन किंग वल्चर (Asian King Vultures)

[//](https://www.drishtiias.com/hindi/images/uploads/)

- यह **भारत में पाई जाने वाली गद्धि की 9 प्रजातियों** में से एक है।
- इसे **एशयिन कगि वल्चर** या **पांडचिरी गद्धि** भी कहा जाता है, यह भारत में बड़े पैमाने पर पाया जाता था, लेकनि डाइक्लोफेनाक वषिाक्तता के बाद इसकी संख्या में भारी कमी आई।
- संरक्षण स्थतिि:
  - **IUCN रेड लसि्ट: गंभीर रूप से संकटग्रस्त**
  - **वन्यजीव संरक्षण अधनियिम, 1972: अनुसूची 1**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-s-first-asian-king-vulture-conservation-centre